राजकीय-संस्कृत-महाविद्यालयः सुन्दरनगरम्

विवरणिका
२०२६-२७

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यम् भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्

01907-262510, 265510
gscsundernagarhp@gmail.com
www.gscsundernagar.in

सरस्वती – स्तवनम्

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता,
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना ।
या ब्रह्माच्युतशङ्करप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता,
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा ।।

❖❖❖❖❖

शुक्लां ब्रह्मविचारसारपरमामाद्यां जगद्व्यापिनीं,
वीणापुस्तकधारिणीमभयदां जाड्यान्धकारापहाम् ।
हस्ते स्फाटिकमालिकां विदधतीं पद्मासने संस्थितां,
वन्दे तां परमेश्वरीं भगवतीं बुद्धिप्रदां शारदाम् ।।

❖❖❖❖❖

या विद्या शिवकेशवादिजननी या वै जगन्मोहिनी,
या पञ्चप्रणवद्विरेफनलिनी या चित्कलामालिनी।
या ब्रह्मादिपिपीलिकान्ततनुषु प्रीता जगत्साक्षिणी,
सा पायात्सरदेवता भगवती श्रीराजराजेश्वरी।।

❖❖❖❖❖

केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलाः,
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्तेऽखिलभूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

❖❖❖❖❖

उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत।
क्षुरस्य धारा निशिता दुरत्यया दुर्गं पथस्तत्कवयो वदन्ति ।।

❖❖❖❖❖

ॐ सह नाववतु, सह नौ भुनक्तु, सह वीर्यं करवावहै ।
तेजस्विनावधीतमस्तु, मा विद्विषावहै ।।

ॐ शान्तिः! शान्तिः!! शान्तिः!!!

“विद्या ह वै ब्राह्मणमाजगाम गोपाय मा शेवधिष्टेऽहमस्मि,
असूयकायानृजवेऽयताय न मा ब्रूया वीर्यवती तथा स्याम्”

राजकीय - संस्कृत - महाविद्यालयः सुन्दरनगरम् (हि. प्र.)

विवरणिका

सत्रम् : २०२६–२०२७

PROSPECTUS

2026-2027

Govt. Sanskrit College, Sunder Nagar (H.P.)-175019

Phone : 01907-262510, 265510

E-mail : gscsundernagarhp@gmail.com | Website : www.gscsundernagar.in

प्राचार्य – सन्देश

भारतीय संस्कृति एवं देव वाणी संस्कृत भाषा के रक्षण एवं संवर्धन में प्रतिक्षण तत्पर एवं अग्रणी यह महाविद्यालय पण्डित सूरजमणिसूरी जी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण के भाव से 1923 ई. को माँ भगवती त्रिपुर सुन्दरी के पार्श्व में भगवान नृसिंह मन्दिर के परिसर में एक 'लघु संस्कृत पाठशाला' के नाम से स्थापित किया था। सुन्दरनगर में अवस्थित संस्कृति तथा संस्कारयुक्त ''राजकीय संस्कृत महाविद्यालय''(पुराना बाजार) शिक्षा पद्धति को समर्पित यह संस्थान हिमाचल प्रदेश के ही नहीं अपितु भारत वर्ष के अग्रणी संस्कृत संस्थानों में अद्वितीय स्थान रखता है। सन् 1923 से समाज कल्याण तथा शिक्षा के विकास के उद्देश्य से प्रगति के पथ पर अनवरत कार्यरत है। 1947 ई. से पूर्व यह संस्थान 'पंजाब विश्वविद्यालय लाहौर के साथ सम्बद्ध रहा। ''1947 से 1971 ई. तक पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़ से सम्बद्ध होकर यहाँ प्राज्ञ, विशारद, शास्त्री तथा आचार्य की कक्षाएँ संचालित होती रही हैं। 1970 ई. में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला की स्थापना के पश्चात् इससे अनुमोदित (Affiliated) होकर इसकी परीक्षाओं का संचालन होता रहा है। वर्तमान में 2022 ई. से सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी के साथ सम्बद्ध है। यह महाविद्यालय परम्परा से संस्कृत के देश की उन विशिष्ट संस्कृत संस्थाओं में प्रमुख स्थान रखता है जहाँ प्राच्य वैदिकशास्त्रीय संस्कृत साहित्य/लौकिक/व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष तथा वेद आदि विषयों का अध्ययन करके छात्र भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का अति पुनीत कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में प्राचीन विषयों के साथ-साथ समयानुकूल अंग्रेजी/हिन्दी जैसी आधुनिक भाषाओं, राजनीति शास्त्र, इतिहास और कम्प्यूटर शिक्षा आदि का सायुज्य करके विश्वविद्यालय द्वारा पाठयक्रम को अधिक उपयोगी, व्यावहारिक तथा समय सापेक्ष बनाया गया है ताकि हमारे छात्र समय के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ सकें।

प्रदेश में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण उत्तर भारत में अपनी विद्वत्ता के गौरव की पताका से इस क्षेत्र के यश का सम्पूर्ण भारत वर्ष में शाश्वत प्रचार-प्रसार करने वाला यह संस्थान प्राचीन एवं नित्य नवीन ज्ञान के मूल स्रोत वेद से लेकर आधुनिक ज्ञान के पूर्ण परिचायक संगणक तक सभी पारम्परिक एवं आधुनिक विधाओं के द्वारा अद्वितीय एवं सर्वजन मान्य विद्वानों के निर्माण तथा समाज की सेवा में समर्पण, इस ज्ञान रूपी यज्ञ को निरन्तर संचालित करते हुए 100 वर्षों से अखण्ड तपः साधना में पूर्णतया तल्लीन है।

प्राचार्य
डॉ. खुशवन्त सिंह
राजकीय संस्कृत महाविद्यालय
सुन्दरनगर

आचार्यवर्गः

साहित्यविभागः

डॉ. खुशवन्तसिंहः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–94594–40033
+91–70183–29099
E-mail : khushwant082@gmail.com

साहित्याचार्यः, NET, B.Ed., Ph.D.
Qualified Dept. Exam.

डॉ. मनजीतकुमारः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–98160–18091
E-mail : manjeetsharmaa05@gmail.com

साहित्याचार्यः, NET, M.A. Sanskrit,
J.R.F., Ph.D.

ज्योतिषविभागः

डॉ. सुशीलगौतमः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–70185–40463
+91–98054–15090
E-mail : sushilgautam934@gmail.com

ज्योतिषाचार्यः, (स्वर्णपदक) Ph.D.

दर्शनविभागः

डॉ. सन्तोषकुमारः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–94184–15315
E-mail : dr.sks2016@gmail.com

दर्शनाचार्यः, व्याकरणाचार्यः, M.A. Sanskrit,
NET, SET, B.Ed., Ph.D.
(राज्यस्तरीय 'संस्कृत सेवा सम्मान' से सम्मानित)

व्याकरणविभागः

डॉ. रोहितकुमारः
सहायकाचार्य : (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–88948–14238
E-mail : shrohit2050@gmail.com

व्याकरणाचार्यः, NET, Ph.D.

आचार्यः अक्षयकुमारः
सहायकाचार्यः (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–94590–46650
E-mail : akshukashyap3297@gmail.com

व्याकरणाचार्यः, ज्योतिषाचार्यः, दर्शनाचार्यः
M.A. Sanskrit, B.Ed.
(Under Local PTA)

वेदविभागः

रिक्तपदम्

धर्मशास्त्रविभागः

रिक्तपदम्

हिन्दीविभागः

श्रीमती वन्दना कुमारी
सहायकाचार्या (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–94182–82677
E-mail : vandana6862@gmail.com

M.A. Hindi, NET, SET, B.Ed.

आङ्ग्लविभागः

डॉ. ममता शर्मा
सहायकाचार्या (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–98166–58247
E-mail : mamta65892@gmail.com

M.A. English, B.Ed., Ph.D.
(Under Local PTA)

राजनीतिशास्त्रविभागः

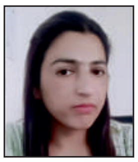

श्रीमती रमा कुमारी
सहायकाचार्या (Asst. Prof.)
दूरभाषः +91–88949–37402
E-mail : ramachauhanrc1@gmail.com

M.A. Political Science, B.Ed.
(Under Local PTA)

कार्यालय वर्ग

श्रीमती अरूणा शर्मा
कार्यालय अधीक्षक ग्रेड्–II
दूरभाषः 70187–31045

सुश्री शिल्पा
कनिष्ठ कार्यालय सहायक
(JOA-IT)

श्रीमती दीपा देवी
कार्यालय सहायक
(Under Local PTA)

श्री संजीव कुमार
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
दूरभाषः 70183–58776

श्रीमती देविका
छात्रावास वार्डन्
(Under Local PTA)
दूरभाषः 78761–02093

श्रीमती प्रेमलता
सेवादार
दूरभाषः 86791–56883

श्रीमती रमा देवी
सेवादार
दूरभाषः 70180–86889

श्रीमती मीना देवी
सेवादार
दूरभाषः 98823–36499

श्रीमती रामप्यारी
सफाई कर्मचारी

"नत्वा दिव्याम्बरां देवीं ज्ञानरूपां सरस्वतीम् ।
सादरमभिनन्देऽहं गुरून् तत्त्वगुणान्वितान् ।।"

महाविद्यालय का संक्षिप्त इतिहास

'**संस्कृतिः संस्कृताश्रिता**' के शाश्वत् सिद्धान्त को समर्पित माँ भगवती त्रिपुर सुन्दरी तथा नृसिंह देव के दिव्यधाम सुन्दरनगर (पुराना बाजार) में अवस्थित संस्कृति तथा संस्कारयुक्त शिक्षा पद्धति को समर्पित "राजकीय संस्कृत महाविद्यालय-सुन्दरनगर" यह संस्थान हिमाचल प्रदेश के ही नहीं अपितु भारतवर्ष के अग्रणी संस्कृत संस्थानों में अद्वितीय स्थान रखता है। यह महाविद्यालय तत्कालीन सुकेत-रियासत (सुन्दरनगर) के धर्मपरायण महाराजा लक्ष्मण सेन जी ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण के भाव से 1923 ई० को माँ भगवती त्रिपुर सुन्दरी के पार्श्व में भगवान नृसिंह मन्दिर के परिसर में एक 'लघु संस्कृत पाठशाला' के नाम से स्थापित किया था। 1947 ई० से पूर्व यह संस्थान 'पञ्जाब विश्वविद्यालय लाहौर" के साथ सम्बद्ध रहा। 1947 से 1971 ई० तक 'पञ्जाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ़" से सम्बद्ध होकर यहाँ प्राज्ञ, विशारद, शास्त्री तथा आचार्य की कक्षाएँ संचालित होती रही हैं। 1971 ई० में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय- शिमला की स्थापना के पश्चात् इससे अनुमोदित (Affiliated) होकर इसकी परीक्षाओं का संचालन हो रहा है। वर्तमान में (2022 ई० से) सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी के साथ सम्बद्ध है। यह महाविद्यालय देश की उन विशिष्ट संस्कृत संस्थाओं में प्रमुख स्थान रखता है जहाँ प्राच्य-परम्परा से संस्कृत के वैदिक/लौकिक/शास्त्रीय संस्कृत-साहित्य, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष तथा वेद आदि विषयों का अध्ययन करके छात्र दुर्लभ भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन का अति पुनीत कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में प्राचीन विषयों के साथ-साथ समयानुकूल अंग्रेजी/हिन्दी जैसी अन्य आधुनिक भाषाओं, राजनीति शास्त्र, इतिहास और कम्प्यूटर शिक्षा आदि का सायुज्य करके विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रम को अधिक उपयोगी, व्यावहारिक तथा समय सापेक्ष बनाया गया है ताकि हमारे छात्र समय के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ सकें।

महाविद्यालय की सुविधाएँ

1. सी.सी.टी.वी कैमरे से सुरक्षित परिसर।
2. आई.टी. लैब
3. पुस्तकालय (12000 से अधिक पुस्तकें)
4. पुस्तकालय अध्ययन कक्ष की सुविधा
5. जलपान गृह
6. स्वच्छ जल (आर.ओ.) गर्म तथा ठण्डा
7. पर्याप्त शौचालय

महाविद्यालयीय कक्षाएँ

(क) प्राक् शास्त्री-प्रथम वर्ष — (10+1) के समकक्ष।
प्राक् शास्त्री-द्वितीय वर्ष — (10+2) के समकक्ष।

(ख) शास्त्री-प्रथम वर्ष
शास्त्री-द्वितीय वर्ष
शास्त्री-तृतीय वर्ष
— रूसा प्रक्रिया के अनुसार तीन वर्षीय शास्त्री डिग्री कोर्स।

प्रवेशार्थ आवश्यक योग्यता

प्राक्–शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेशार्थ योग्यता :–

- किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं कक्षा/पूर्व-मध्यमा (द्वितीय-खण्ड) अथवा विद्या-अधिकारी की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

प्राक्–शास्त्री द्वितीय–वर्ष में प्रवेशार्थ योग्यता :–

- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय/सरदार पटेल विश्वविद्यालय से प्राक्-शास्त्री प्रथम वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेशार्थ योग्यता :–

1. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय/सरदार पटेल विश्वविद्यालय से प्राक्-शास्त्री द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
2. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय/सरदार पटेल विश्वविद्यालय के द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 की कक्षा संस्कृत विषय के साथ उत्तीर्ण की हो अथवा जिन विद्यार्थियों ने 10+2 में संस्कृत विषय नहीं पढ़ा है वे भी शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश ले सकते हैं। इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित 50 अंक का प्रश्नपत्र वार्षिक परीक्षा में उतीर्ण करना अनिवार्य होगा।

आयु सीमा :–

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पत्र संख्या 4-20/2015-एच.पी.यू (शै0) दिनांक 23 जून 2017 के अनुसार प्राक-शास्त्री, शास्त्री, विशिष्ट-शास्त्री तथा आचार्य कक्षाओं में आयु सीमा के वे सभी नियम मान्य होंगे, जिनका उल्लेख सरदार पटेल विश्वविद्यालय के अध्यादेश में अनुच्छेद 3.3 (ए) में किया गया है।

क्र.स.	श्रेणी	आयु सीमा	टिप्पणी
1.	सामान्य (छात्र)	23 वर्ष	1 जुलाई 2026 तक यदि किसी छात्र (सामान्य वर्ग) की आयु 23 वर्ष, छात्रा (सामान्य वर्ग) की आयु 25 वर्ष तथा एस.सी./एस.टी. छात्र या छात्रा की आयु 26 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो तो महाविद्यालय में प्रवेश केवल माननीय कुलपति जी की अनुमति के (अधिक से अधिक छः माह की) पश्चात् ही प्राप्त होगा।
2.	सामान्य (छात्रा)	25 वर्ष	
3.	एस.सी./एस.टी. (छात्र/छात्रा)	26 वर्ष	

शास्त्री (B.A. Honours, Classics) :–

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अध्यादेश 2002, खण्ड-1 अनुच्छेद 8.70 तथा 8.71 के अनुसार विशिष्ट शास्त्री का अभिप्राय ऐसे पाठ्यक्रम से है, जिसमें विद्यार्थी विशिष्ट-शास्त्री की निर्धारित समयावधि में संस्कृत-पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त दो संस्कृत भिन्न पाठ्यक्रमों का भी अध्ययन करता है। इन दोनों संस्कृत-भिन्न पाठ्यक्रमों में से English और हिन्दी/राजनीतिक शास्त्र/इतिहास का पाठ्यक्रम B.A. स्तर पर पढ़े जाने वाले पाठ्यक्रम के समान प्रत्येक विद्यार्थी को पढ़ना होगा।

प्रवेशार्थ अपेक्षित प्रमाणपत्र

1. महाविद्यालय में समस्त कक्षाओं का प्रवेश online (www.gscsundernagar.in) माध्यम से ही किया जायेगा।
2. आवेदक छात्र प्रवेश पत्र को भरने से पूर्व विवरणिका में दिये गये सम्पूर्ण निर्देशों एवं नियमों का पूर्णतया अध्ययन करें। प्रवेश-पत्र से संबन्धित किसी भी प्रकार का सन्देह होने पर उसके निराकरण के लिये महाविद्यालय की प्रवेश समिति एवं कार्यालय से सम्पर्क करें। अपूर्ण आवेदन-पत्र अथवा अस्पष्ट प्रमाण-पत्रों के आधार पर प्रवेश स्वीकार्य नहीं होगा।
3. विश्वविद्यालय/बोर्ड अथवा मान्यता प्राप्त संस्था से उत्तीर्ण पूर्व परीक्षा के प्रमाण-पत्रों की स्वयं प्रमाणित प्रतिलिपियाँ संलग्न करें।
4. चरित्र-प्रमाण-पत्र पूर्व संस्था के प्रधानाचार्य/प्राचार्य के द्वारा अथवा संस्था प्रमुख जहाँ अभ्यर्थी ने अध्ययन किया हो।
5. विद्यालय त्याग प्रमाण-पत्र (School Leaving Certificate) पूर्व संस्था के प्रधानाचार्य के द्वारा अथवा संस्था प्रमुख जहाँ अभ्यर्थी ने अध्ययन किया हो।
6. विशेष वर्ग का प्रमाण-पत्र यदि प्रवेशार्थी SC/ST/OBC, दिव्यांगता (अन्यथासक्षम) से संबन्ध रखता हो।
7. आवेदक अपने आवेदन-पत्र के साथ उपुर्यक्त प्रमाण-पत्रों की स्वयं सत्यापित प्रतियाँ अवश्य लगायें एवं प्रवेश शुल्क जमा कराने से पूर्व महाविद्यालय की प्रवेश-समिति के द्वारा सम्पूर्ण आवेदन-पत्र की जाँच अनिवार्यतया करवायें। शिक्षण अवधि में यदि कोई प्रमाण-पत्र असत्य पाया जाता है तो छात्रा/छात्र का प्रवेश/नामांकन स्वयं निरस्त हो जायेगा और नियम संगत अन्य कार्यवाही की जा सकती है।
8. किसी भी छात्रा/छात्र के विरुद्ध अनुशासनहीनता, अमर्यादित आचरण, रैंगिग संबन्धित अपराध, दुर्व्यवहार आदि की शिकायत प्राप्त होने पर महाविद्यालय की अनुशासन समिति के द्वारा छात्रा/छात्र का पंजीकरण निरस्त किया जा सकता है।

प्रवेशार्थ आवश्यक निर्देश

1. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से प्राक् - शास्त्री द्वितीय वर्ष की परीक्षा उत्तीर्ण की हो अथवा हि.प्र. के द्वारा मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 + 2 परीक्षा उत्तीर्ण छात्र को सरदार पटेल विश्वविद्यालय की रूसा प्रक्रिया के अधीन शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश मिलेगा।
2. विश्वविद्यालयीय रूसा परीक्षा में कम्पार्टमैंट / री - अपीयर छात्रों को भी उत्तीर्ण छात्रों की तरह ही रोल ऑन आधार पर अस्थायी प्रवेश मिलेगा। अनुपूरक परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर ही उनका प्रवेश स्थायी होगा।
3. कोई छात्र या छात्रा किसी भी कक्षा में लगातार दो बार अनुत्तीर्ण होता है तो उसी कक्षा में तीसरी बार प्रवेश नहीं मिलेगा।
4. किसी भी कक्षा में सभी संस्कृत विषयों में अनुत्तीर्ण छात्र को भी उसी कक्षा में पुनः प्रवेश नहीं मिलेगा।
5. विश्वविद्यालयीय नए नियमों के अनुसार शास्त्री - I,II,III तक का पाठ्यक्रम छात्र को 5 वर्षों में पूरा करना होगा।
6. अनुत्तीर्ण छात्र को अगली कक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी।

प्रवेश के समय देय शुल्क

(क)		**महाविद्यालय विवरणिका शुल्क**		₹ 100.00
(ख)		**प्रवेश शुल्क**		₹ 25.00 वार्षिक
	1.	पुनः प्रवेश शुल्क (प्रथम बार)		₹ 100.00 (नाम कटने पर)
		पुनः प्रवेश शुल्क (द्वितीय बार)		₹ 200.00 (नाम कटने पर)
	2.	प्रवेश विलम्ब शुल्क सहित (निश्चित तिथि के बाद)		₹ 10.00 प्रति दिन (10 दिन तक)
	3.	मासिक शिक्षा शुल्क (Tuition Fee)		(संस्कृत छात्रों के लिए छूट)
(ग)		**महाविद्यालयीय वार्षिक निधि (फण्ड्ज़)**		
	1.	पुस्तकालय रक्षाधन (प्रत्यावर्तनीय)		₹ 100.00
	2.	गृह परीक्षा शुल्क		₹ 50.00
	3.	चिकित्सा शुल्क		₹ 6.00
	4.	परिसर विकास एवं सौन्दर्यीकरण निधि		₹ 10.00
	5.	पुस्तक बदलाव शुल्क		₹ 25.00
	6.	फर्नीचर मुरम्मत शुल्क		₹ 20.00
	7.	परिचय पत्र शुल्क		₹ 15.00
	8.	वार्षिक पत्रिका शुल्क		₹ 50.00
	9.	उत्सव निधि		₹ 20.00
	10.	छात्र सहायता शुल्क		₹ 02.00
	11.	सांस्कृतिक गतिविधियाँ शुल्क		₹ 20.00
	12.	कम्प्यूटर तथा इन्टरनैट सुविधा शुल्क		₹ 20.00
	13.	छात्र कल्याण शुल्क		₹ 10.00
	14.	रैड क्रास शुल्क		₹ 40.00
	15.	केन्द्रीय छात्र परिषद् शुल्क		₹ 50.00
(घ)		**महाविद्यालयीय मासिक निधि (फण्ड्ज़)**	**मासिक**	**वार्षिक**
	1.	मिश्रित निधि (Amalgamated Fund)	₹ 25.00	₹ 300.00
	2.	क्रीड़ा शुल्क	₹ 20.00	₹ 240.00
	3.	भवन निधि	₹ 10.00	₹ 120.00
	4.	रोवर एण्ड रेंजर शुल्क	₹ 05.00	₹ 60.00
	5.	प्राध्यापक - अभिभावक संघ (PTA) निधि		₹ 2500.00 वार्षिक (PTA) द्वारा निर्धारित
(ङ)		**विश्वविद्यालयीय शुल्क**		
	1.	विश्वविद्यालय विकास निधि		₹ 200.00
	2.	वार्षिक परीक्षा शुल्क		
		प्राक् शास्त्री - I, प्राक् शास्त्री - II के छात्रों से परीक्षा के समय लिया जाएगा		₹ 800.00
		RUSA-शास्त्री - I वर्ष से शास्त्री - III वर्ष के छात्रों से		₹ 800.00
		(परीक्षा फार्म भरते समय ऑन लाईन जमा करने होंगे।)		

(च) छात्र द्वारा प्रवेश के समय कुल देय राशि

1.	प्राक् शास्त्री - I	₹ 3983.00
2.	प्राक् शास्त्री - II	₹ 3883.00
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	₹ 3983.00
4.	शास्त्री द्वितीय एवं तृतीय वर्ष	₹ 3883.00

छात्रावास शुल्क विवरण

		वार्षिक
1.	कक्ष शुल्क ₹ 30 (मासिक)	₹ 360.00
2.	छात्रावास प्रवेश शुल्क	₹ 1000.00
3.	छात्रावास रक्षाधन (प्रत्यावर्तनीय)	₹ 500.00
4.	फर्नीचर रक्षाधन	₹ 100.00
5.	अटैण्डेण्ट/कर्मचारी शुल्क (25 रु. मासिक)	₹ 300.00
6.	कॉमन रूम शुल्क (10 रु. मासिक)	₹ 120.00
7.	पानी व्यवस्था शुल्क (25 रु. मासिक)	₹ 120.00
8.	विद्युत व्यय शुल्क (30 रु. मासिक)	₹ 1800.00
9.	सफाई कर्मचारी व्यय (15 रु. मासिक)	₹ 180.00
10.	छात्रावास भवन रख-रखाव व्यय	₹ 1000.00
11.	छात्रावासीय परिचय पत्र	₹ 20.00
12.	लिपिकीय सहायता शुल्क (5 रु. मासिक)	₹ 60.00
13.	बर्तन निधि	₹ 30.00
14.	टूट-फूट Depreciation Charges	₹ 100.00
	योग (नए छात्रों से)	**₹ 5690.00**
	योग (पुराने छात्रों से)	**₹ 5190.00**

किसी भी व्यवस्थागत नियम के उल्लंघन पर छात्रावासाध्यक्ष की अनुशंसा से किसी भी प्रकार के आर्थिक दण्ड निलम्बन अथवा निष्कासन का विशेषाधिकार प्राचार्य महोदय को होगा।

पाठ्यक्रम तथा विषय चयन

क्र.स.	कक्षा	अनिवार्य विषय	ऐच्छिक	टिप्पणी
1.	प्राक् शास्त्री - I, II	व्याकरण, साहित्य, अनुवाद, दर्शन, अंग्रेजी	हिन्दी/राजनीति शास्त्र	हिन्दी/राजनीति शास्त्र इनमें से कोई एक विषय

इस सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP-2020) के अनुसार शास्त्री प्रथम वर्ष की परीक्षा दों सत्रों (समेस्टर) में होंगी

क्र.सं.	विषय
1.	DSC-A1 में से कोई एक विषय
2.	DSC-B1 में DSC-A1 से लिए गए विषय से अतिरिक्त कोई एक विषय
3.	MC-1 में से कोई एक विषय
4.	MDC-1 में से कोई एक विषय
5.	SEC-1 में DSC-A1 अथवा DSC-B1 में पढ़े हुए विषयों में से किसी एक से सम्बन्धित कोई एक विषय
6.	AEC-1 में MC-1 में चुने हुए विषय से अतिरिक्त कोई एक विषय

पाठ्यक्रम तथा विषय चयन

क्र.स.	कक्षा	अनिवार्य विषय	ऐच्छिक	टिप्पणी
1.	शास्त्री - II, III	व्याकरण, साहित्य, अंग्रेजी	दर्शन, वेद, ज्योतिष	इनमें से कोई दो विषय
			हिन्दी/राजनीति शास्त्र	इनमें से कोई एक विषय

प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष

क्र.स.	विषय	पुस्तक का नाम	प्रकरण	अंक
1.	व्याकरण	लघुसिद्धान्त कौमुदी	संज्ञा प्रकरण	5
			सन्धि प्रकरण	18
			अजन्त भागा	33
			विभक्त्यर्थ प्रकरण	6
			स्त्रीप्रत्यय प्रकरण	18
			सूत्रों के अर्थ और उनकी उदाहरणों में संगति	8
2.	काव्य नाटक	रघुवंश	प्रथम और द्वितीय सर्ग	20
		स्वप्नवासवदत्त	सम्पूर्ण	45
		वृत्तरत्नाकर	अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, द्रुतविलम्बित, भुजंगप्रयात, प्रहर्षिणी, वसन्ततिलका, मालिनी, मन्दाक्रान्ता, शिखरिणी, हरिणी, शार्दूलविक्रीडितम्, स्रग्धरा, विद्युन्माला, पंचचामर, त्रोटक, आर्या, गीति, मालती, तामरस	15
3.	अनुवाद तथा गद्य-पद्य	अनुवादचन्द्रिका (निम्न शब्दों का कण्ठस्थीकरण)	क. संस्कृत वाक्यरचना •विपद्, सरित्, मरुत्, वाच्, दिश्, राजन्, आत्मन्, युवन्, विद्वस्, जगत्, नामन्, ब्रह्मन्, मनस्, धनुष् तथा इनके समान अन्य शब्द। विद्यार्थी करिन्, भगवत्, धनवत्, बुद्धिमत्, भवत्, तादृश, तावत्, कियत्, पठत् तथा इनके समान •राम, नर, मुनि, हरि, गति, सखि, कर्तृ, पितृ, भ्रातृ, गो, रमा, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, दधि, बहु तथा इनके समान अन्य शब्द। • केवल लट्, लृट्, लङ्, लोट्, लकारों में निम्न धातुओं के तिङन्त रूपों का कण्ठस्थीकरण : क. भ्वादिगण - भू, पठ्, वद्, गम्, पा, दृश्, जि, स्था, स्मृ, खाद्, हस्, रक्ष्, मुद्, कम्प्, भज्, लभ्, वृध्, भृ, धृ, नी, पच्, यज्, याच्, वृत, हृ, ख. तुदादिगण - तुद्, मिल्, लिख्, कृष्, प्रच्छ्, सिच्, मृ, स्पृश्। चुरादिगण - चुर्, चिन्त्, भक्ष्, कथ्, गण्, तड्। दिवादिगण - दिव्, कुप्, क्षम्, विद्, नश्, नृत्, बुध्, कुध्, युध्, विद्, मन्, विध्, कुप्। अदादिगण - अस्, अधि + इङ्, दुह्, ब्रू या विद्, शी, स्व्, रुद्। जुहोत्यादिगण - हु, दा, धा, भी। स्वादिगण - आप्, प्राप्, चि, वृञ्, शक् तथा	48

			भ्वादिगण – श्रु।	
			रुधदिगण – छिद्, भुज, युज।	
			तनादिगण – तन्, कृ।	
			क्र्यादिगण – क्री, ग्रह्, ज्ञा, बन्ध्, मन्थ्।	
		हितोपदेश (पांचवी तथा छठी कथा वर्जित तथा सुहृदभेद)	मित्रलाभ	20
		अमरकोष	द्वितीय काण्ड, सिंहादिवर्ग, ब्रह्मवर्ग पर्यन्त	12
4.	दर्शन, उपनिषद तथा श्रीमद्भगवद्गीता	तर्क संग्रह : दीपिका टीका सहित	सम्पूर्ण	40
		ईशावास्योपनिषद्	सम्पूर्ण	15
		श्रीमद्भगवद्गीता	प्रथम तथा द्वितीय अध्याय	25
5.	English	Prescribed syllabus for +1 Class by Himachal Pradesh Education Board		80
6.	1. हिन्दी	हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड द्वारा ग्याहरवीं कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम		80
	2. राजनीति शास्त्र	हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड द्वारा ग्याहरवीं कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम		80

प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष

पत्र सं.				
1.	व्याकरण	लघुसिद्धन्तकौमुदी	गण	25
			धातुरूप	10
			प्रक्रियाएँ	30
			कृदन्त	15
2.	काव्य नाटक	कुमार सम्भव :-	कुमारसम्भव – प्रथम एवं द्वितीय सर्ग	30
		भारत विजय नाटकम् :-	सम्पूर्ण	25
		काव्यदीपिका	चतुर्थ से अष्टम शिखा तक	25
			चतुर्थ से सप्तम शिखा तक तीन में से दो प्रश्न	
3.	अनुवाद	संस्कृत – गद्य मन्दाकिनी	सम्पूर्ण	30
		अनुवाद – चन्द्रिका	विश्वपा, प्रधी, सुधी, श्री, स्त्री, प्राञ्च्, प्रत्यञ्च्, त्विट्, वणिज्, सम्राज्, स्रज्, समिध्, सीमन्, श्वन्, मघवन्, पूषन्, पथिन्, शर्मन्, अहन्, ककुभ्, गिर्, पुर्, निश् दिवस्, प्रावृष्, चन्द्रमस्, पुम्स्, लधीयस्, श्रेयस्, अप्सरस्, आशिस्, हविस्, अनडुह्, उपानह्,	
			पद्य ज्ञान पूर्ववक वाक्य ज्ञान एवं संस्कृत में अनुवाद	40
			संस्कृत में अपठित और स्वरचित अनुच्छेद लेखन	5
			संस्कृत में पत्र लेखन	5
4.	दर्शन, उपनिषद तथा श्रीमद्भगवद्गीता	योगदर्शन	योग दर्शन का सामान्य परिचय, योग की परिभाषा और भेद, चित्त की वृत्तियाँ, चित्तवृत्तियों के विरोध के उपाय – अभ्यास और वैराग्य, ईश्वर का स्वरूप, चित्त के नौ विक्षेप और पाँच विक्षेपसहभुव, चित्त प्रसादन के उपाय, क्रियायोग, पञ्च क्लेश, अष्टांग योग, भूतजय से होने वाली अणिमादि, आठ सिद्धियाँ तथा कैवल्य की अवधारणा	26
		कठोपनिषद्	सम्पूर्ण	30
		श्रीमद्भगवद्गीता	ग्याहरवां, बाहरवां, चोहदवां	24
5.	English	Prescribed syllabus for +2 Class by Himachal Pradesh Education Board		80
6.	1. हिन्दी	हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड द्वारा बाहरवीं कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम		80
	2. राजनीति शास्त्र	हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड द्वारा बाहरवीं कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम		80

शास्त्री प्रथम वर्ष

प्रथमसत्रार्द्धम्

विषय – व्याकरणम्

क्र.सं.	पेपर/पत्र	अनुशंसितग्रन्थ	पेपर कोड	अंक
1.	व्याकरणसोपानम् – I	1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी – चौखम्बा – संस्कृत – प्रतिष्ठानम् 2. रचनानुवादकौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी 3. अष्टाध्यायी – पुष्पा दीक्षित	DSC A1-VYA & DSC B1-VYA (Credit-4)	लिखित परीक्षा – 70 आन्तरिक मूल्यांकन – 30
2.	लघुसिद्धान्तकौमुदी – I	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी – चौखम्बा – संस्कृतप्रतिष्ठानम्	MDC 1 - VYA (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 75 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
3.	प्रयोगकौशलम् – I (वर्णसन्धीनाम)	1. नीतिशतकम् – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम् 2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी – चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम	SEC 1-VYA (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 75 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
		विषय – साहित्यम्		
1.	छन्दःशास्त्रम् अलङ्कारश्च	1. वृत्तरत्नाकर – केदारभटटः – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी 2. काव्यदीपिका – कान्तिचन्द्रभटटाचार्य – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी	DSC A1-SAH & DSC B1- SAH (Credit-4)	लिखित परीक्षा – 70 आन्तरिक मूल्यांकन – 30
2.	संस्कृतसाहित्यशास्त्रपरिचयः – I	1. संस्कृतसाहित्य का इतिहास – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी 2. संस्कृतसाहित्यशास्त्रप्रवेशिनी – डा.सी.हेच्. नागराजु, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति, ग्रन्थमाला	MDC 1 - SAH (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
3.	छन्दोगायनकौशलम्	1. वृत्तरत्नाकरः – केदारभटटः – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी 2. बृहत्स्तोत्ररत्नावली – गीताप्रेस गोरखपुर 3. श्रीमद्भागवतपुराणम् – गीताप्रेस गोरखपुर	SEC 1 - SAH (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
		विषय – दर्शनम्		
1.	न्याय – वैशेषिकप्रवेशः	1. कणादगौतमीयम् – आचार्य विश्वनाथकृतम्	DSC A1 -DAR & DSC B1- DAR (Credit-4)	लिखित परीक्षा – 70 आन्तरिक मूल्यांकन – 30
2.	वैशेषिकदर्शनपरिचयः	1. तर्क भाषा – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान	MDC 1 -DAR (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
3.	प्रमाणविचारः	1. तर्क भाषा – चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान	SEC 1 -DAR (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
		विषय – वेदः		
1.	ऋग्वेदपरिचयः	1. ऋक्सूक्तसंग्रहः – डॉ. हरिदत शास्त्री, साहित्य भण्डार मेरठ 2. वैदिकवाङ्गमयस्येतिहासः – जगदीशचन्द्रमिश्रः चौखम्बासुरभारती प्रकाशन	DSC A1-VED & DSC B1-VED (Credit-4)	लिखित परीक्षा – 70 आन्तरिक मूल्यांकन – 30
2.	पारस्करगृह्यसूत्रोक्तस्मार्तहोमविधिः	1. पारस्करगृह्यसूत्रम् – डॉ. सुधाकरमालवीय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी	MDC 1-VED (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
3.	कर्मकाण्डप्रवेशः	1. नित्यकर्मपूजा प्रकाश चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी	SEC 1-VED (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
		विषय – ज्योतिषम्		
1.	प्रारम्भिकज्योतिषम्	1. बृहदहोडाचक्रम् – श्यामदेव झा शर्मणा,	DSC A1-JYT &	लिखित परीक्षा – 70

		चौखम्बा पब्लिशर्स 2. मुहूर्तचिन्तामणि, राम दैवज्ञ, चौखम्बा पब्लिशर्स	DSC B1-JYT (Credit-4)	आन्तरिक मूल्यांकन - 30
2.	ज्योतिषशास्त्रपरिचय: - I	1. बृहदहोडाचक्रम् - श्यामदेव झा शर्मणा, चौखम्बा पब्लिशर्स	MDC 1-JYT (Credit-3)	लिखित परीक्षा - 50 आन्तरिक मूल्यांकन - 25
3.	कुण्डलीविज्ञानकौशलम् - I	1. जन्मपत्र दीपक, श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणासी 2. भारतीय कुण्डली विज्ञान, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान	SEC 1-JYT (Credit-3)	लिखित परीक्षा - 50 आन्तरिक मूल्यांकन - 25

द्वितीयसत्रार्द्धम्

विषय – व्याकरणम्

क्र.सं.	पेपर / पत्र	अनुशंसितग्रन्थ	पेपर कोड	अंक
1.	व्याकरणसोपानम् - II	1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम	DSC A2-VYA & DSC B2- VYA (Credit-4)	लिखित परीक्षा - 70 आन्तरिक मूल्यांकन - 30
2.	लघुसिद्धान्तकौमुदी - II	1. लघुसिद्धान्तकौमुदी - चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्	MDC 2 - VYA (Credit-3)	लिखित परीक्षा - 50 आन्तरिक मूल्यांकन - 25
3.	प्रयोगकौशलम् - II	1. नीतिशतकम् - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम् 2. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी् - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम	SEC 2-VYA (Credit-3)	लिखित परीक्षा - 50 आन्तरिक मूल्यांकन - 25

विषय – साहित्यम्

1.	दृश्यकाव्यम्	1. साहित्यदर्पण: - आचार्यविश्वनाथ: चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी 2. वेणीसंहार - भटटनारायण: - मोतीलाल बनारसीदास	DSC A2-SAH & DSC B2- SAH (Credit-4)	लिखित परीक्षा - 70 आन्तरिक मूल्यांकन - 30
2.	संस्कृतसाहित्यशास्त्रपरिचय - II	1. संस्कृतसाहित्य का इतिहास - चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी 2. संस्कृतसाहित्यशास्त्रप्रवेशिनी - डा.सी.हेच्. नागराजु, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ तिरुपति, ग्रन्थमाला	MDC 2 - SAH (Credit-3)	लिखित परीक्षा - 50 आन्तरिक मूल्यांकन - 25
3.	अलङ्कारप्रयोगकौशम्	1. वेणीसंहार - भटटनारायण: - मोतीलाल बनारसीदास 2. काव्यदीपिका - कान्तिचन्द्रभटटाचार्य:, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी	SEC 2 - SAH (Credit-3)	लिखित परीक्षा - 50 आन्तरिक मूल्यांकन - 25

विषय – दर्शनम्

1.	सांख्यशास्त्रप्रवेश:	1. श्रीमदीश्वरकृष्णकृता सांख्यकारिका गौडपादभाष्य सहिता	DSC A2 -DAR - DSC B2- DAR (Credit-4)	लिखित परीक्षा - 70 आन्तरिक मूल्यांकन - 30
2.	प्रमेयविमर्श:	1. तर्कभाषा चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान	MDC 2 -DAR (Credit-3)	लिखित परीक्षा - 50 आन्तरिक मूल्यांकन - 25
3.	पदार्थनिरूपणम्	1. कणादगौतमीयम् - आचार्य विश्वनाथकृतम्	SEC 2 -DAR (Credit-3)	लिखित परीक्षा - 50 आन्तरिक मूल्यांकन - 25

विषय – वेद:

1.	निरुक्तम्	1. निरूक्तम्, डॉ. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी 2. निरुक्त - पंचाध्यायी, मेहरचन्द लछमणदास पब्लिकेशन, नई दिल्ली	DSC A2-VED & DSC B2-VED (Credit-4)	लिखित परीक्षा - 70 आन्तरिक मूल्यांकन - 30

2.	पारस्करगृह्यसूत्रोक्तविवाहसंस्कारः	1. पारस्करगृह्यसूत्रम् – डॉ. सुधाकरमालवीय, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी	MDC 2-VED (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
3.	सामान्यपूजनविधिः	1. नित्यकर्मपूजा प्रकाश चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान वाराणसी	SEC 2-VED (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25

विषय – ज्योतिषम्

1.	होराशास्त्रम्	1. जातकालङ्कारः – श्री गणेश दैवज्ञ चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी	DSC A2-JYT & DSC B2-JYT (Credit-4)	लिखित परीक्षा – 70 आन्तरिक मूल्यांकन – 30
2.	ज्योतिषशास्त्रपरिचयः – II	1. बृहदहोडाचक्रम् – श्यामदेव झा शर्मणा, चौखम्भा पब्लिशर्स	MDC 2-JYT (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25
3.	कुण्डलीविज्ञानकौशलम् – II	1. जन्मपत्र दीपक, श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणासी 2. भारतीय कुण्डली विज्ञान, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान	SEC 2-JYT (Credit-3)	लिखित परीक्षा – 50 आन्तरिक मूल्यांकन – 25

शास्त्री द्वितीय वर्ष

क्र.सं.	पेपर/पत्र	अनुशंसितग्रन्थ	पेपर कोड	विषय	अंक
1.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-III	भ्वादिगण	30 अंक
				समास प्रकरण	30 अंक
				धातुरूप	10 अंक
2.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-IV	अदादिगण से चुरादिगण	30 अंक
				प्रक्रिया (णिजन्त, सनन्त, यङन्त, नामधातु, परस्मैपद, आत्मनेपद)	30 अंक
				धातुरूप	10 अंक
3.	साहित्य	उत्तररामचरितम्	SHT-B-III	1–4 अंक	35 अंक
		साहित्य दर्पण		1, 2, 3 परिच्छेद (35 से 80 कारिकाओं को छोड़कर)	35 अंक
				षष्ठ परिच्छेद (47 से 312 कारिकाओं को छोड़कर)	
4.	साहित्य	कादम्बरी	SHT-B-IV	कथामुखम्, शुकनासोपदेश तक	30 अंक
		किरातार्जुनीयम		प्रथमसर्ग	20 अंक
		अनुवादचंद्रिका		निबन्ध तथा अनुवाद	20 अंक
5.	दर्शन	योगसार संग्रह	SHT-C-III	सम्पूर्ण	50 अंक
		मुण्डकोपनिषद्		सम्पूर्ण	20 अंक
7.	दर्शन	अर्थसंग्रह	SHT-C-IV	सम्पूर्ण	70 अंक
8.	वेद	शुक्लयजुर्वेद	SHT-D-III	14, 31, 40 अध्याय	50 अंक
				यजुर्वेद से सम्बन्धित शाखाओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों तथा उपनिष्द् ग्रंथों का परिचय एवं तत्सबद्ध वेदांग परिचय	20 अंक
9.	वेद	स्वरप्रक्रियाप्रकाश	SHT-D-IV	1 से 4 प्रकाश तक	35 अंक
		याज्ञवल्क्यशिक्षा		सम्पूर्ण	35 अंक
10.	ज्योतिष	जातकालंकार	SHT-E-II	सम्पूर्ण	70 अंक
11.	ज्योतिष	मुहुर्तचिन्तामणि	SHT-E-IV	संस्कार तथा विवाह प्रकरण	40 अंक
		उडुदाय प्रदीप		सम्पूर्ण	30 अंक

12.	धर्मशास्त्र	याज्ञवल्क्यस्मृति	SHT-F-III	आचाराधयाय एवं व्यवहाराधयाय	70 अंक
13.	धर्मशास्त्र	कर्मठगुरु:	SHT-F-IV	पूजा होम प्रकरण	35 अंक
		निर्णयसिन्धु		प्रथम परिच्छेद, मल्लमासनिरूपण पर्यन्तम्	35 अंक
13.	English	Essays Poetry	ENGCE-201		70 अंक
14.	हिन्दी	आधुनिक हिन्दी कविता	HIND 202		70 अंक
15.	Political Science	Comparative Government & Politics	POLS-201		70 अंक

शास्त्री तृतीय वर्ष

क्र.सं.	पेपर/पत्र	अनुशंसितग्रन्थ	पेपर कोड	विषय	अंक
1.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-V	कृदन्त प्रकरण	40 अंक
				महाभाष्य (प्रथम आह्निक)	20 अंक
				लिंगानुशासनम्	10 अंक
2.	व्याकरण	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	SHT-A-VI	तद्धित प्रकरण	40 अंक
				उणादि प्रकरण	30 अंक
3.	साहित्य	संस्कृत साहित्य का इतिहास	SHT-B-V	भवभूति, दण्डी, बाल्मीकि, भट्नारायण, भारवि, जयदेव, अश्वघोष, वाणभट्, भास, माघ, सुबन्धु, कालिदास, विशाखादत्त, राजशेखर)	40 अंक
		नैषधीयचरितम्		प्रथमसर्ग	30 अंक
4.	साहित्य	काव्यप्रकाश	SHT-B-VI	1, 2, 3, 4, 8, 9, 10 उल्लास	70 अंक
5.	दर्शन	वेदान्त सार	SHT-C-V	सम्पूर्ण	50 अंक
		माण्डूक्योपनिषद्		सम्पूर्ण	20 अंक
6.	दर्शन	सर्वदर्शन संग्रह	SHT-C-VI	जैन बौद्ध तथा चार्वाक	40 अंक
		भारतीय दर्शने अध्यात्मविवेचनम्		सम्पूर्ण	30 अंक
7.	वेद	अथर्ववेद	SHT-D-V	सायणभाष्य भूमिसूक्त	50 अंक
				अथर्ववेद से सम्बन्धित शाखाओं, ब्राह्मणों, आरण्यकों तथा उपनिषद् ग्रन्थों का परिचय एवं तत्सम्बद्ध) वेदांग परिचय	20 अंक
8.	वेद	वैदिक साहित्य का इतिहास	SHT-D-VI	सम्पूर्ण	35 अंक
		पारस्करगृहसूत्रम्		1 से 3 काण्ड	35 अंक
9.	ज्योतिष	बृहज्जातकम्	SHT-E-V	1 से 6 अध्याय तक	40 अंक
		भारतीयज्योतिषशास्त्रस्य इतिहास:		सम्पूर्ण	30 अंक
10.	ज्योतिष	सूर्यसिद्धान्त:	SHT-E-VI	चन्द्रग्रहण अधिकार तक	70 अंक
11.	धर्मशास्त्र	निर्णयसिन्धु:	SHT-F-V	प्रथम परिच्छेद, पक्ष निर्णयत: खण्डतिथिलक्षणपर्यन्तम्)	35 अंक
		मनुस्मृति		6 - 10 अध्याय	35 अंक
12.	धर्मशास्त्र	पाराशरस्मृति	SHT-F-VI	प्रायश्चित्ताध्याय	70 अंक
13.	English	Soft Skills	ENG DSE-303		70 अंक
14.	हिन्दी	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	HIND 306		70 अंक
15.	Political Science	Democracy and Governance	POLS-306 (A)		70 अंक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत शास्त्री/SHASTRI (B.A.) 2026-27

प्रस्तावित पाठ्यक्रम से सम्बन्धित शास्त्री प्रथमसत्रार्द्धम् और द्वितीयसत्रार्द्धम् के छात्रों के लिए कुछ अवधेय बिन्दु

SHASTRI (B.A.) में प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता :

किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड अथवा विश्वविद्यालय से 10+2 उत्तीर्ण अथवा 10+2 के समकक्ष प्राक-शास्त्री/उत्तरमधयमा आदि उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी शास्त्री (बी. ए.) पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए पात्र होंगे।

स्नातक पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क 2022 (UGCF) का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्रणाली में व्यवस्थागत परिवर्तन लाना और इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बनाना है।

1. शैक्षिक क्रेडिट (Academic Credit)-शैक्षिक क्रेडिट एक इकाई है जिससे पाठ्यक्रम कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह शिक्षण के लिए समय को निर्धारित करता है, जैसे यदि 4 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है तो सप्ताह में चार घंटे का अध्यापन अनिवार्य होगा। एक क्रेडिट शिक्षण अवधि के एक घण्टे के बराबर होगा। अथवा प्रायोगिक कार्य के दो घण्टे का एक क्रेडिट होगा।
2. अध्ययन का पाठ्यक्रम-यह किसी विशिष्ट विषय में अध्ययन का संकेत करता है। प्रत्येक विषय तीन श्रेणियों में विभाजित होगा, अर्थात् विषय विशिष्ट कोर (DSC), विषय-विशिष्ट इलेक्टिव (DSE) और माइनर कोर्स (MC)।

   A. विषय-विशिष्ठ कोर- Discipline Specific Core (DSC) 4 Credits-
   विषय-विशिष्ठ कोर छात्र द्वारा अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ा जाएगा, संस्कृत महाविद्यालय में विषयविशिष्ट कोर DSC। और DSC B के रूप में शास्त्रीय (परम्परागत) विषय व्याकरण, साहित्य, दर्शन, वेद, ज्योतिष पढ़ाए जाएंगे और DSC A और DSC B के विषयों की पाठ्यक्रम रुपरेखा सामान होगी अत: छात्र DSC A 1 में जिस विषय का चयन करेंगे उससे भिन्न विषय का ही चयन DSC B1 में कर सकेंगे।

   B. माइनर कोर्स - Minor Course (MC) 4 Credits -शास्त्री पाठ्यक्रम में माइनर कोर्स के अन्तर्गत मानविकी (Humanities) के विषय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और इतिहास पढाए जाएंगे, परन्तु इन सभी विषय में से किसी एक विषय को चयन करना होगा।

   C. विषय-विशिष्ट ऐच्छिक - Discipline Specific Elective (DSE) 4 Credits -शास्त्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विषय-विशिष्ट ऐच्छिक (DSE) में सभी शास्त्रीय विषय ही रहेंगे। अत: जिस शास्त्रीय विषय में छात्र विशेषज्ञता (Specialization) प्राप्त करना चाहते हैं उस शास्त्रीय विषय के ही DSE पढने होंगे। I से VI समेस्टर में किसी एक शास्त्रीय विषय के 6 DSC और 5 DSE पढने के बाद ही छात्र शास्त्री-प्रतिष्ठा (Shastri HONOURS / B- A- HONOURS) में प्रवेश के लिए पात्र होगा। DSE पाठ्यक्रम चतुर्थ सत्र से आरम्भ होगा।

   D. बहुविषयक पाठ्यक्रम - Multidisciplinary Courses (MDC) 3 Credits - इसके अन्तर्गत विषय-विशिष्ठ कोर (DSC) व माइनर कोर्स (MC) के अतिरिक्त भिन्न विषय रहेंगे। छात्र MDC पाठ्यक्रम I, II, III सत्रार्द्धों में पढ़ेंगे। छात्र को MDC में शास्त्रीय व आधुनिक दोनो प्रकार के विषय में से किसी एक विषय का चयन करना होगा। परीक्षा लिखने का माध्यम संस्कृत अथवा हिन्दी या अंग्रेजी भी हो सकता है।

   E. कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम- Skill enhancement course & (sec) 3 credits - यह पाठ्यक्रम सभी विषयों में कौशल-आधारित हैं और इसका उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण व कौशल प्रदान करना है।
   यह SEC पाठ्यक्रम सभी शास्त्रीय विषयों का ही होगा। छात्र जिस शास्त्रीय विषय को DSC अथवा MC के रूप में पढेगा। उसी विषय से सम्बन्धित कम से कम दो SEC पाठ्यक्रम पढने होंगे। तीसरा SEC पाठ्यक्रम छात्र अपनी रुचि के अनुसार पढ सकेगा, इनका अध्ययन छात्र I, II, III सत्रार्द्धों में करेगा।

   F. योग्यता वृद्धि पाठ्यक्रम- Ability Enhancement Course (AEC) 2 credits-यह पाठ्यक्रम अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से ज्ञान की ओर ले जाने वाली सामग्री पर आधारित हैं। इसके अन्तर्गत छात्र को I, III, IV, V सत्रार्द्ध तक अंग्रेजी व हिन्दी भाषा को पढ़ना अनिवार्य होगा यदि छात्र MC में अंग्रेजी पढता है तो उसे AEC में हिन्दी पढ़नी पड़ेगी और यदि छात्र MC में हिन्दी पढता है तो उसे AEC में अंग्रेजी पढनी पड़ेगी। यदि MC में राजनीति विज्ञान व इतिहास पढता है तो अंग्रेजी व हिन्दी में से कोई एक विषय पढ़ना होगा।

   G. Internship/Apprenticeship/Project/Community Outreach (I/A/P/C) 4 Credits-इस पाठ्यक्रम में छात्रों को विशेष व्यवसायिक व कार्य अनुभव के लिए शिक्षा संस्थान के बाहर किसी शैक्षिक गतिविधि में भाग लेने की आवश्यकता होती है। सामान्य रूप से किसी बाहरी इकाई के विशेषज्ञ की देखरेख में कार्य करना पडता है। I/A/P/C का मुख्य उद्देश्य वास्तविक कार्य स्थितियों में उपस्थित होकर अनुभव प्राप्त करना है। I/A/P/C में स्थानीय उद्योग, सरकारी या निजी संगठनों, व्यवसायिक संगठनों, कलाकारों, शिल्पकारों और इसी तरह की विषय-सम्बन्धित संस्थाओं के साथ काम करना आवश्यक है ताकि छात्रों को मौके पर (On site) अनुभवात्मक सीखने का अवसर मिल सके। इसमें

महाविद्यालय के Placement Cell का दायित्व होगा कि सेना के अधिकारियों, विभिन्न न्यासों के द्वारा संचालित मन्दिर आदि संस्थाओं के अधिकारियों, सरकार, विविध विश्वविद्यालयों और विभिन्न कार्यो को प्रदान करने वाली संस्थाओं के साथ सम्पर्क करके IA/P/Cdk प्रबन्ध करें। यदि किन्हीं कारणों से महाविद्यालय उपर्युक्त बाहरी संस्थाओं में व्यवस्था न करवा सके तो महाविद्यालय स्वयं ही I/A/P/C का प्रबन्धन करे। यह पाठ्यक्रम II सत्रार्द्ध में पढ़ाया जायेगा।

H. मूल्य - आधारित पाठ्यक्रम (Value Addition Course) (2 Credits) यह पाठ्यक्रम विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम का सामान्य समूह है और इसका उद्देश्य व्यक्तित्व निर्माण के लिए नैतिक, सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों को छात्रों में विकसित करना है और आलोचनात्मक सोच, भारतीय ज्ञान प्रणाली, वैज्ञानिक स्वभाव, संचार कौशल, रचनात्मक लेखन, प्रस्तुति कौशल, खेल और समूह कार्य (Team Work) को बढ़ावा देने के साथ साथ छात्रें का सर्वांगीण विकास करना है। यह पाठ्यक्रम II, III और IV सत्रार्द्ध में पढाया जायगा। जिसमें द्वितीय सत्रार्द्ध में पर्यावरण विज्ञान (EVS), तृतीय सत्रार्द्ध में नीति साहित्य, चतुर्थ सत्रार्द्ध में श्रीमद्भगवद्गीता का अठारहवाँ अध्याय पढ़ाया जाएगा।

SARDAR PATEL UNIVERSITY FOUR-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM
Curriculum and credit Framework for Undergraduate Programmes
शास्त्री / SHASTRI (B.A.) 1 Year

Course & Academic Level	Semester	Discipline Specific Core (DSC) Credits – 4	Discipline Specific Elective (DSC) Credits – 4	Minor Course (MC) Credits – 4	Multidisciplinary Courses (MDC) Credits – 3	Skill Enhancement Courses (SEC) Credits – 3	Ability Enhancement Courses (AEC) Credits – 2	Internship/ Apprenticeship/ Project/ Community Outer each Credits – 4	Value Add edition Courses (VAC) Credits – 2	Total Credits
100-199 Introductory/Foundational Level Courses	I	DSC A1 व्याकरण VYA/ साहित्य SAH/ दर्शन/DAR/ वेद VED/ ज्योतिष JYO DSC B1 व्याकरण VYA/ साहित्य SAH/ दर्शन DAR/ वेद VED/ ज्योतिष JYO		MC 1 हिन्दी / अंग्रेजी / इतिहास / राजनीति - विज्ञान	MDC 1 व्याकरण VYA/ साहित्य SAH/ दर्शन DAR/ वेद VED/ ज्योतिष JYO हिन्दी/ अंग्रेजी / इतिहास / राजनीति / विज्ञान / कंप्यूटर	SEC 1 व्याकरण VYA/ साहित्य SAH/ दर्शन DAR/ वेद VED/ ज्योतिष JYO	AEC 1 अंग्रेजी (Functional) /हिन्दी			20
	II	DSC A2 व्याकरण VYA/ साहित्य SAH/ दर्शन DAR/ वेद VED/ ज्योतिष JYO DSC B2 व्याकरण VYA/ साहित्य SAH/ दर्शन DAR/ वेद VED/ ज्योतिष JYO		MC 2 हिन्दी / अंग्रेजी / इतिहास / राजनीति - विज्ञान	MDC 2- व्याकरण VYA/ साहित्य SAH/ दर्शन DAR/ वेद VED/ ज्योतिष JYO हिन्दी / अंग्रेजी / इतिहास / राजनीति / विज्ञान / कंप्यूटर	SEC 2- व्याकरण VYA/ साहित्य SAH/ दर्शन DAR/ वेद VED/ ज्योतिष JYO		I/A/P/C-1 as per Guideline of SPU	VAC-I of (To be proposed by the Deptt. of environ-ment science)	24
Level 4.5	Exit	Student on exit will be awarded Undergraduate Certificate (in the Field of Study) after securing 44 Credits in Semester - I & II.								44

नोट - मानविकी (Humanities) विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान और इतिहास) के कोड व पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के नियमानुसार रहेंगे।

वार्षिक परीक्षा एवम् गृह परीक्षा

1. प्राक् शास्त्री - I से शास्त्री - III वर्ष की सभी वार्षिक परीक्षाओं का संचालन विश्वविद्यालय द्वारा ही होता है। इस बार विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार शास्त्री - I वर्ष की परीक्षाएँ दो सत्रों में होगी। दिन परीक्षाओं के फार्म विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथियों में Online प्रक्रिया से भरे जाते हैं।
2. प्रत्येक परीक्षा फार्म भरने हेतु कक्षा में कुल उपस्थितियों का 75 प्रतिशत होना आवश्यक है।
3. वार्षिक प्रक्रिया में किसी भी कक्षा में कम्पार्टमैंट् छात्र अक्तूबर मास में अनुपूरक (सप्लिमैंटरी) परीक्षा में बैठ सकता है।
4. प्राक् शास्त्री - I तथा शास्त्री - I में नए प्रविष्ट छात्रों को विश्वविद्यालय में पञ्जीकरण (रजिस्ट्रेशन) करवाना आवश्यक है।
5. किसी भी बाहरी बोर्ड/विश्वविद्यालय की परीक्षा उत्तीर्ण करके प्रवेश लेने वाले छात्र को उक्त विश्वविद्यालय/बोर्ड् से माईग्रेशन प्रमाण पत्र लाकर देना आवश्यक है तभी सरदार पटेल विश्वविद्यालय मण्डी में उसका पञ्जीकरण होगा। पञ्जीकरण होने पर ही उसका प्रवेश स्थायी होगा।
6. अन्तः मूल्यांकन (Internal Assessment) प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष के लिए प्रतिपत्र 20 अंक तथा शास्त्री द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के कक्षाओं के लिए 30 अंक प्रति विषय होगा तथा शास्त्री प्रथम की परीक्षाओं में क्रमशः DSC-1A, DSC-1 B तथा MC-1 में 30 - 30 अंक और MDC-1 और SEC-1 में आन्तरिक मूल्यांकन 25 - 25 अंकों का होगा।
7. अन्तः मूल्यांकन महाविद्यालय में उपस्थिति, विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियो में सहभागिता तथा गृह परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर किया जायेगा।

महाविद्यालयीय छात्र केन्द्रीय परिषद्

महाविद्यालयीय छात्र केन्द्रीय परिषद् (CSCA) "संस्कृत - संस्कृति छात्र कल्याण परिषद्" (शारदा छात्र संघ) का गठन विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार सत्र के प्रारम्भ में निर्धारित तिथि को किया जाता है। छात्रों में नेतृत्व क्षमता को विकसित करने, कलात्मक प्रतिभा विकास, शारीरिक सौष्ठव, बौद्धिक - मानसिक - चारित्रिक विकास तथा छात्र - कल्याण के उन्नयन हेतु इस छात्र परिषद् का गठन किया जाता है। इसके तत्त्वावधान में पाक्षिक/मासिक छात्र संगोष्ठियाँ, वार्षिक क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिनमें समस्त छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। विश्वविद्यालय की अधिसूचना के पश्चात् पूर्व कक्षा की अंक वरीयता (Merit Marks) के आधार पर ही सर्वसम्मति से महाविद्यालयीय छात्र केन्द्रीय परिषद् (CSCA) का गठन होगा।

प्राध्यापक अभिभावक संघ (PTA LOCAL)

महाविद्यालयीय प्राध्यापकों तथा छात्रों के अभिभावकों (माता - पिता) के सामूहिक संगठन 'प्राध्यापक अभिभावक संघ' (PTA) का गठन प्रतिवर्ष छात्रों के प्रवेश के तुरन्त पश्चात् किया जाता है जो निरन्तर सहयोग के साथ - साथ महाविद्यालय में प्राध्यापकों की कमी को भी पूरा करता रहा है ताकि छात्रों की पढ़ाई बाधित न हो सके। प्रवेश के तत्काल पश्चात् इसका गठन करके महाविद्यालय/छात्र हित में इसके सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

पाठ्येतर गतिविधियाँ, क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ

1. छात्रों में पारस्परिक सद्भाव के साथ - साथ प्रतिस्पर्धात्मक भावना को सुदृढ़ करने तथा विभिन्न कार्यक्रमों, सामाजिक, वैयक्तिक तथा चारित्रिक विकास की दृष्टि से विभिन्न क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में सकारात्मक रूप से जोड़ा जाता है। क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ अक्तूबर में तथा भाषणादि सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ नवम्बर मास में आयोजित की जाएंगी।
2. विश्वविद्यालय द्वारा आयोज्य अन्तः महाविद्यालयीय क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ उनके द्वारा निर्दिष्ट तिथियों में आयोजित होंगी।
3. क्रीड़ा गतिविधियों में वॉलीबॉल, कबड्डी, बैडमिन्टन, क्रिकेट, एथलैटिक्स आदि की समुचित व्यवस्था विद्यमान है।

पुरस्कार वितरण समारोह

महाविद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह वर्ष में एक बार आयोजित किया जाता है। जिसमें निम्न छात्रों को पुरस्कृत करते हैं :-

1. विश्वविद्यालय की मैरिट में स्थान पाने वाले छात्र ।
2. वार्षिक परीक्षा प्रथम - द्वितीय आने वाले छात्र ।
3. महाविद्यालय में आयोजित वॉलीबॉल आदि क्रीड़ा तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय स्थान पाने वाले।
4. विश्वविद्यालय द्वारा आयोज्य तथा अन्तर्राज्यीय क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में स्थान पाने वाले छात्र।
5. प्रत्येक कक्षा में सर्वाधिक उपस्थिति तथा सर्वोत्तम अनुशासित छात्र ।
6. महाविद्यालयीय पत्रिका, सामाजिक कार्य, स्वच्छता, रक्तदान, वन महोत्सव आदि कार्यों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले छात्र तथा स्काऊट् गाईड् छात्र - छात्राएँ।
7. विभिन्न महाविद्यालयीय कार्यों में सर्वोत्तम सहयोग/कार्य करने वाले छात्र।
8. शास्त्री अन्तिम वर्ष के सर्वतोभावेन - सर्वोत्तम छात्र - छात्रा ।
9. सर्वश्रेष्ठ छात्र को ''स्वर्णपदक'' कर्नल बी.एस.आर. राघव जी के द्वारा

अनुशासन तथा तत्सम्बन्धी नियम

1. महाविद्यालय में किसी भी कालांश (पीरियड) में लगातार 10 दिन अनुपस्थित रहने वाले छात्र का नाम महाविद्यालय से काट दिया जाएगा। विशेष परिस्थिति में पिता-माता की व्यक्तिगत उपस्थिति तथा 100/- पुनः प्रवेश शुल्क तथा दूसरी बार 200/- के साथ अतिरिक्त विशेष दण्ड के साथ ही पुनः प्रवेश मिल सकेगा।
2. महाविद्यालय/छात्रावास परिसर में मदिरा आदि मादक पदार्थों का सेवन या अपने पास रखना दण्डनीय अपराध होगा। ऐसे छात्र को तत्काल निष्कासित करके अग्रिम कार्यवाही हेतु उसके घर तथा पुलिस को सूचित कर दिया जाएगा।
3. महाविद्यालय परिसर में मोबाइल लाना/रखना/करना/सुनना अनुशासनहीनता माना जाएगा। मोबाइल जब्त होने पर अर्थदण्ड सहित कार्यवाही की जाएगी।
4. नाम कटने/अनपेक्षित गतिविधि/गृह-वार्षिक परीक्षाओं की रिपोर्ट माता-पिता को समयानुसार प्रेषित की जाएगी।

पुस्तकालय सम्बन्धी नियम

1. सत्र प्रारम्भ होते ही सभी कक्षाओं के छात्र पुस्तकालय में उपलब्धता के आधार पर पाठ्यक्रम सम्बन्धी पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। जिन्हें 15 दिन में वापिस या (Renew) करवाना आवश्यक होगा। अन्यथा 1/- प्रतिदिन (प्रति पुस्तक) के आधार पर दण्ड लगेगा।
2. छात्र अध्ययन हेतु अन्य पुस्तकें भी ले सकता है। जिन्हें समय पर वापिस करना आवश्यक होगा। सन्दर्भ/दुर्लभ पुस्तकें पुस्तकालय में ही पढ़ी जा सकेंगी।
3. वार्षिक/End Semester Examination से पूर्व सभी पुस्तकें पुस्तकालय में जमा करवानी होंगी।
4. सत्र समाप्ति के एक वर्ष के भीतर पुस्तकालय रक्षाधन वापिस लिया जा सकेगा। तत्पश्चात् इसे लैप्स माना जाएगा तथा वापिस नहीं होगा।
5. पुस्तकों को स्वच्छ, सजिल्द रखना छात्र का दायित्व होगा। कटने/फटने/गन्दा करने की अवस्था में नई पुस्तक या पुस्तक का वर्तमान मूल्य दण्ड सहित देय होगा।

छात्रावास तत्सम्बन्धी नियम

1. महाविद्यालय के जनजातिय कन्या छात्रावास में 56 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है। जिनमें आवास के अतिरिक्त बिजली/पानी/सफाई आदि की व्यवस्था का व्यय निर्धारित शुल्क के रूप में प्रवेश के समय देय होगा।
2. भोजन व्यवस्था छात्रावास परिसर में उपलब्ध है।
3. छात्रावास परिषद् छात्रावासाध्यक्ष को सभी व्यवस्थाओं के सञ्चालन में सहयोग करेगी।
4. मादक/अभक्ष्य पदार्थों का सेवन तथा अपने पास रखना सर्वथा वर्जित होगा। दोषी छात्र/छात्रा को तत्काल निष्कासित/दण्डित किया जाएगा।
5. किसी भी बाह्य व्यक्ति महिला/पुरुष को कमरे में लाना/रखना वर्जित है। केवल माता-पिता छात्रावासाध्यक्ष की अनुमति से दिन में ही मिल सकते हैं।
6. किसी अन्तः/बाह्य छात्र/छात्रा की रैगिंग करने तथा अन्य अनैतिक आचरण में लिप्त/दोषी छात्र-छात्रा को तत्काल निष्कासित करके कानूनी कार्यवाही हेतु मामला प्रेषित किया जाएगा।
7. छात्रावास से बाहर जाने हेतु छात्रावासाध्यक्ष की अनुमति तथा पूरे दिन/दिनों के लिए लिखित अनुमति/अवकाश लेना आवश्यक होगा। बिना अनुमति के बाहर गये/गई छात्र/छात्रा को दण्डित अथवा निष्कासित किया जा सकता है।
8. शरद् ऋतु में सायं 7 बजे के पश्चात् तथा ग्रीष्म ऋतु में 8 बजे के पश्चात् छात्रावास के बाहर जाना/रहना दण्डनीय अपराध माना जाएगा।
9. छात्रावास प्रार्थना सभा में सभी छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य होगी।
10. छात्रावास में हर वर्ष नया प्रवेश दिया जाता है। सत्रान्त में वार्षिक परीक्षा के पश्चात् छात्रावास छोड़ना होगा।

यू.जी.सी. रैगिंग् अधिनियम 2009

1. **प्रस्तावना :** माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के मद्देनजर दिनांक 8-5-2009 और केन्द्र के निर्धारण के विचार में सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रतिबंधित करने के लिए, रोकने और रैगिंग का संकट खत्म करने के निर्देश जारी किये गए हैं।

2. **उद्देश्य :** विश्वविद्यालयों से अपने सभी रूपों में रैगिंग खत्म करने, देश में जितने भी विश्वविद्यालय और अन्य उच्च शिक्षण संस्थान हैं, उन्हें इन विनियमों के तहत रैगिंग की हर तरह की, घटनाओं को रोकने का जोर लगाना होगा और जो रैगिंग में भाग लेगा उसे रैगिंग के विनियमों के अनुसार दण्डित किया जायेगा।

1. कोई भी आचरण किसी भी छात्र या छात्रों द्वारा, चाहे शब्दों द्वारा बोली जाने वाली या लिखित या जिससे चिढ़ाने, अशिष्टता या कोई गलत हरकत का प्रभाव पड़ता हो, चाहे फिर वो कोई नया छात्र हो या पुराना, रैगिंग ही माना जायेगा।

2. कोई भी नया छात्र पुराने छात्र या छात्रों द्वारा उपद्रवी या अनुशासनहीन गतिविधियों का शिकार बनता है या उनकी किसी भी हरकत से झुंझलाहट, कठिनाई, शारीरिक परेशानी या मनोवैज्ञानिक नुकसान, भय या आशंका तत्सम्बन्धी पैदा होने की संभावना हो तो इन हरकतों को रैगिंग का दर्जा दिया जा सकता है।

3. किसी भी छात्र को कोई भी ऐसा कार्य करने को कहना जिससे उसे पीड़ा या शर्मिन्दगी की भावना का सामना करना पड़े, या छात्र की मानसिकता पर प्रतिकूल असर हो।

4. एक वरिष्ठ छात्र द्वारा किसी भी नवीन छात्र या अन्य छात्र के नियमित शैक्षिक गतिविधि को बाधित, या परेशान करने वाला कार्य।

5. कोई भी ऐसी हरकत जो वरिष्ठ छात्रों द्वारा किसी भी नए छात्र या अन्य छात्रों पर जबरन वित्तीय वसूली या सशक्त खर्च बोझ का कोई भी भार डाले।

6. **शारीरिक शोषण के सभी प्रकार :** यौन शोषण का कोई भी अधिनियम, समलैंगिक हमले, अलग करना, अश्लील और भद्दा कृत्य, इशारों द्वारा मजबूर व्यक्ति को शारीरिक या स्वास्थ्य नुकसान या किसी अन्य खतरे का कारण।

Over Speed is a Knife
That Cut The Life
ROAD SAFETY CLUB
ACCIDENTS hurt SAFETY doesn't.
RESPECT YOU LIFE & KEEP SAFETY RULES TIGHT

राजकीय-संस्कृत-महाविद्यालयः
सुन्दरनगरम् (मण्डी)
आचार्य भरत नाट्यमञ्चः

महाविद्यालयीय समितियाँ (College Committee)

आन्तरिक गुणवत्ता व मूल्यांकन प्रकोष्ठ (IQAC)

डॉ. खुशवन्त सिंह (अध्यक्ष), डॉ. सुशील गौतम, डॉ. सन्तोष कुमार, डॉ. मनजीत कुमार, श्रीमती वन्दना कुमारी, डॉ. रोहित कुमार

महिला यौन उत्पीड़न निवारण समिति (Women Sexual Harassment Committee)

श्रीमती वन्दना कुमारी (समन्वयक), श्रीमती इन्दिरा शर्मा (समाज सेविका), डॉ. सुशील गौतम, डॉ. मनजीत कुमार

एंटी रैगिंग समिति (Anti Ragging Committee)

डॉ. सुशील गौतम, डॉ. सन्तोष कुमार, डॉ. मनजीत कुमार

महाविद्यालय अनुशासन समिति (College Disciplinary Committee)

डॉ मनजीत कुमार, डॉ. सन्तोष कुमार, डॉ. रोहित कुमार

महाविद्यालय प्रवेश समिति (Admission Committee)

डॉ. सुशील गौतम, डॉ. सन्तोष कुमार, डॉ. मनजीत कुमार, श्रीमती वन्दना कुमारी, डॉ. रोहित कुमार

महाविद्यालय सलाहकार समिति (College Advisory Committees)

डॉ. सुशील गौतम, डॉ. सन्तोष कुमार, डॉ. मनजीत कुमार, श्रीमती अरूणा शर्मा

Contact Details

Govt. Sanskrit College, Sunder Nagar, Distt. Mandi (H.P.)-175019
Phone : 01907-262510, 265510
E-mail : gscsundernagarhp@gmail.com
Website : www.gscsundernagar.in

मूल्य / Price – ₹100